MAHD-08

June - Examination 2018

M.A. (Final) Hindi Examination

आधुनिक हिन्दी कविता और गीत–परम्परा

Paper - MAHD-08

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : इस प्रश्न–पत्र के तीन खण्ड हैं – 'अ', 'ब' और 'स'। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड – अ **$8 \times 2 = 16$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) 'भूरि–भूरि खाक धूल' में किस कवि की कविताएँ संकलित हैं?

(ii) महाप्रस्थान किस कवि का खण्ड काव्य है?

(iii) 'गिरिजाकुमार माथुर' किस सप्तक के कवि हैं?

(iv) 'काठ की घंटिया' बजाते–बजाते जब कवि 'बांस के पुल' से गुजरा तो उसे एक सूनी नाँव मिल गयी' किस कवि के बारे में यह उक्ति कही गयी है?

(v) महाभारत पर आधारित धर्मभारती के प्रबध काव्य का नाम लिखिए।

(vi) अशोक वाजपेयी के काव्य की दो विशेषताएँ बताइए।

(vii) नन्द किशोर आचार्य के किन्हीं दो रचनाओं के नाम लिखिए।

(viii) बालस्वरूप राही के गीतों का भावबोध स्पष्ट कीजिए।

खण्ड – ब **$4 \times 8 = 32$**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से कोई चार प्रश्न कीजिए। शब्द सीमा लगभग 200 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

2) निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

संस्कृति के कुहरीले धुए के भूतों के
गोल–गोल मटकों से चेहरों ने
नम्रता के घिघियाते स्वांग में
दुनियाँ को हाध जोड़
कहना शुरू किया
बुद्ध के स्तूप में
मानव के सपने
गड़ गये गाड़े गये
ईंसा के पंख सब
झड़ गये, झांड़े गये।
सत्य की
देवदासी चोलियाँ उतारी गयी
उघारी गयी,
सपनों की आतें सब
चोरी गयी, फाड़ी गयी।
बाकी सब खोल है।
जिन्दगी में झोल है।

3) निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

समाज अमूर्त होता है
व्यक्ति नहीं
और व्यक्ति के फूलत्व को कुचल दोगे
तो बन
गन्ध मादन कैसे बन पायेगा पार्थ?
फूल का एकाकीपन
अरण्य की सामूहिकता की शोभा है
विरोधी नहीं।

4) निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

इस नदी का
इस शहर से कोई सम्बन्ध नहीं है।
फिर भी नदी शहर की है
इसको कोई पियरी नहीं चढ़ाता
न आदमी रामनामी डाले
सुबह तड़के भागते दिखाई देते हैं।
न अधेर औरतें ठाकुर जी का
सिंहासन लिए बतियाती जाती हैं।

5) फैन्टेसी से क्या अभिप्राय है, मुक्तिबोध की फैन्टेसी शिल्प की विशेषताएँ बताइए।

6) शमशेर बहादुर सिंह की काव्य की विशेषताएँ बताइए।

7) धर्मवीर भारती की समकालीन कविता में योगदान पर टिप्पणी लिखिए।

8) गीत के स्वरूप पर युक्तिपूर्वक विचार कीजिए।

9) वीरेन्द्र मिश्र के गीतों की संवेदना के विविध स्तरों पर प्रकाश डालिए।

खण्ड – स $2 \times 16 = 32$

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से कोई दो प्रश्न कीजिए। शब्द सीमा लगभग 500 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

10) जनपक्षधरता के कवि के रूप में कवि मुक्तिबोध का मूल्यांकन कीजिए।

11) आधुनिक गीत परम्परा के विकास में गोपालदास नीरज के योगदान का मूल्यांकन कीजिए।

12) भवानीप्रसाद मिश्र की काव्य की विशेषताएँ स्पष्ट करते हुए सिद्ध कीजिए। कि वे एक सफल गीतकार हैं।

13) किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए।

(i) समकालीन कविता का स्वरूप

(ii) सोहनलाल द्विवेदी का काव्यगत सौन्दर्य

(iii) नन्द किशोर आचार्य की काव्य संवेदना

(iv) रमानाथ अवस्थी के गीत